कक्षा-९

अनहद

(संगीत)

भाग - 1

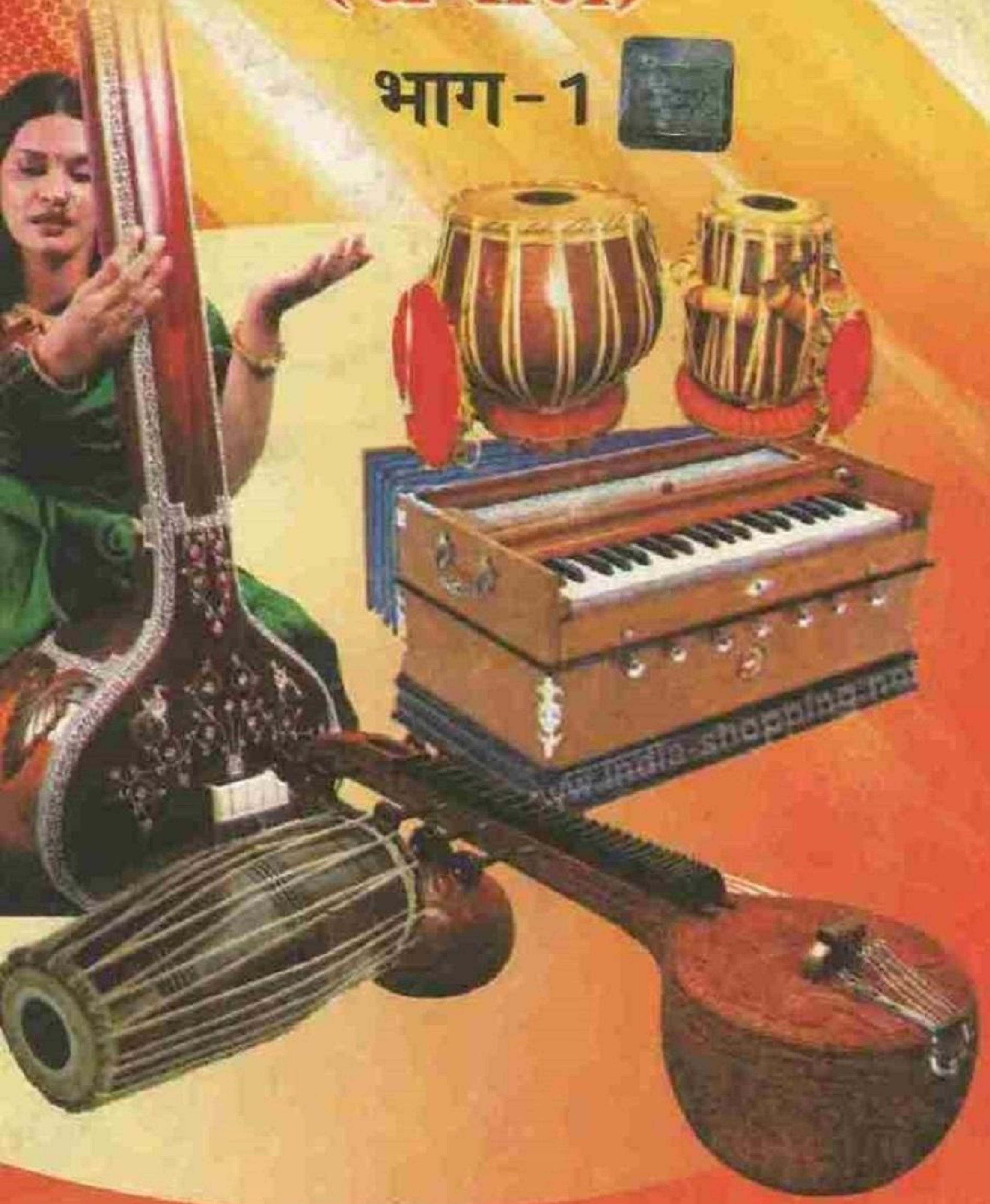

INDIAN ARMY

Arms you FOR LIFE AND CAREER AS AN OFFICER
Visit us at www.joinindianarmy.nic.in
or call us (011) 26173215, 26175473, 26172861

Ser NO	Course	Vacancies Per Course	Age	Qualification	Appln to be received by	Training Academy	Duration Trainin
1.	NDA	300	16½ - 19 Yrs	10+2 for Army 10+2 (PCM) for AF, Navy	10 Nov & 10 Apr (by UPSC)	NDA Pune	3 Yrs + yr at IM
2.	10+2 (TES) Tech Entry Scheme	85	16½ - 19½ Yrs	10+2 (PCM) (aggregate 70% and above)	30 Jun & 31 Oct	IMA Dehradun	5 Yrs
3.	IMA(DE)	250	19 - 24 Yrs	Graduation	May & Oct (by UPSC)	IMA Dehradun	1½ Yrs
4.	SSC (NT) (Men)	175	19 - 25 Yrs	Graduation	May & Oct (by UPSC)	OTA Chennai	49 Week
5.	SSC (NT) (Women) (including Non- tech Specialists and JAG entry)	As notified	19 - 25 Yrs for Graduates 21-27 Yrs for Post Graduate/ Specialists/ JAG	Graduation/ Post Graduation /Degree with Diploma/ BA LLB	Feb/Mar & Jul/ Aug (by UPSC)	OTA Chennai	49 Week
6.	NCC (SPL) (Men)	50	19 - 25 Yrs	Graduate 50% marks & NCC 'C' Certificate (min B Grade)	Oct/ Nov & Apr/ May	OTA Chennai	49 Weeks
	NCC (SPL) (Women)	As notified					
7.	JAG (Men)	As notified	21 - 27 Yrs	Graduate with LLB/ LLM with 55% marks	Apr / May	OTA Chennai	49 Weeks
8.	UES	60	19-25 Yrs (FY)18-24 Yrs (PFY)	BE/B Tech	31 Jul	IMA Dehradun	One Year
9.	TGC (Engineers)	As notified	20-27 Yrs	BE/ B Tech	Apr/ May & Oct/ Nov	IMA Dehradun	One Year
10.	TGC (AEC)	As notified	23-27 Yrs	MA/ M Sc. in 1st or 2nd Div	Apr/ May & Oct/ Nov	IMA Dehradun	One Year
11.	SSC (T) (Men)	50	20-27 Yrs	Engg Degree	Apr/ May & Oct/ Nov	OTA Chennai	49 Weeks
12.	SSC (T) (Women)	As notified	20-27 Yrs	Engg Degree	Feb/ Mar & Jul/ Aug	OTA Chennai	49 Weeks

अनहद

भाग-1

कक्षा 9 के लिए ऐच्छिक संगीत की पाठ्यपुस्तक

सत्यमेव जयते

(राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार द्वारा विकसित)
बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना

निदेशक (माध्यमिक शिक्षा), शिक्षा विभाग, बिहार सरकार द्वारा स्वीकृत ।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना के सौजन्य से सम्पूर्ण बिहार राज्य के निमित्त ।

© बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना

प्रथम संस्करण - 2014

मूल्य : ₹ 20.00

बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पाठ्य-पुस्तक भवन, बुद्ध मार्ग, पटना - 800001 द्वारा प्रकाशित तथा नेशनल प्रिंटिंग वर्क्स, कुन-कुन सिंह लेन, पटना-6 द्वारा 5000 प्रतियाँ मुद्रित ।

प्राक्कथन

शिक्षा विभाग, बिहार सरकार के निर्णयानुसार अप्रैल 2013 से राज्य के कक्षा IX एवं X हेतु ऐच्छिक विषयों का पाठ्यक्रम लागू किया गया है। इस संदर्भ में एस०सी०ई०आर०टी०, बिहार पटना द्वारा विकसित यह पुस्तक निगम द्वारा आवरण चित्रण कर मुद्रित की जा रही है।

बिहार राज्य में विद्यालयीय शिक्षा के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए माननीय मुख्यमंत्री बिहार-श्री जीतन राम मांझी, शिक्षामंत्री-श्री वृशिण पटेल एवं शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव श्री आर० के० महाजन के मार्गदर्शन के प्रति हम हृदय से कृतज्ञ हैं।

एस०सी०ई०आर०टी०, बिहार, पटना के निदेशक के भी हम आभारी हैं, जिन्होंने अपना सहयोग प्रदान किया।

बिहार राज्य पाठ्य-पुस्तक प्रकाशन निगम छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों, शिक्षाविदों की टिप्पणियों एवं सुझावों का सदैव स्वागत करेगा, जिससे बिहार राज्य को देश के शिक्षा जगत में उच्चतम स्थान दिलाने में हमारा प्रयास सहायक सिद्ध हो सके।

जे०के०पी०सिंह, भा.रे.का.से.
प्रबंध निदेशक
बिहार राज्य पाठ्य-पुस्तक प्रकाशन निगम लि०,
पटना

दिशा बोध :

- ✦ **श्री अमरजीत सिन्हा,** प्रधान सचिव, शिक्षा विभाग, बिहार, पटना
- ✦ **श्री राहुल सिंह,** राज्य परियोजना निदेशक, बिहार माध्यमिक शिक्षा परिषद्, पटना
- ✦ **श्री हसन वारिस,** निदेशक, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, पटना
- ✦ **डा० सैयद अब्दुल मुईन,** विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, पटना
- ✦ **डा० ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी,** प्राचार्य, मैत्रेय कॉलेज ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर।

लेखक समूह :

1. **डा० गोरख प्रसाद,** राज इण्टर कॉलेज, बेतिया
2. **डा० रंजीता,** राजकीय महिला कॉलेज, गुलजारबाग, पटना
3. **श्री मनोज भारती,** राजकीय मध्य विद्यालय, लाल बाजार, बेतिया
4. **श्री समीर कुमार,** मौर्याचक सुपासंग उच्च विद्यालय, रहुई, नालंदा
5. **श्री राम सुभग शर्मा,** धनेश्वरी देवनन्दन कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, दानापुर, पटना

समीक्षक :

डा० नीरा चौधरी

विभागाध्यक्ष (संगीत विभाग)

मगध महिला कॉलेज, पटना विश्वविद्यालय

डा० शान्ति जैन

विभागाध्यक्ष (अवकाश प्राप्त)

वीर कुँअर सिंह विश्वविद्यालय, एच०डी० जैन, कॉलेज, आरा (भोजपुर)

समन्वयक : श्री तेज नारायण प्रसाद, व्याख्याता एस०सी०ई०आर०टी०, पटना।

आमुख

मनुष्य अपने हृदय की मूक भावनाओं को जब शब्दों के माध्यम से व्यक्त करता है, तो वह उस भाषा का साहित्य बन जाता है। परन्तु जब अंदर की भावनाओं को वह स्वर, लय तथा शरीर के विभिन्न अंगो के द्वारा व्यक्त करता है, तो वह संगीत (गायन, वादन और नृत्य) कहलाता है। संगीत कलारूपी वृक्ष की एक अतिसुंदर शाखा है। संगीत की उत्पत्ति नाद से होती है। अनाहत नाद के द्वारा ऋषि, महर्षि तथा योगी और तपस्वी लोग ईश्वर की आराधना कर के उनके अत्यंत निकट पहुँच जाते है। अतः संगीत एक ऐसा योग मार्ग है, जो हमें शीघ्र ईश्वर के समीप ले जाता है। वेदों में यह सामवेद है। प्राचीन काल के वैदिक युग में संगीत पठन-पाठन का एक माध्यम था। संगीत के द्वारा ही वेद की ऋचाओं को कंठस्थ कराया जाता था। महर्षि वाल्मीकि ने सम्पूर्ण रामायण को वीणा पर ही लव-कुश को कंठस्थ कराया था, जिसे इनके पिता भगवान् राम ने श्रवण किया था। संगीत अंतर्मन को सीधे स्पर्श करता है। संगीत के इस गुण को अगर शिक्षकों के द्वारा विद्यार्थियों पर प्रयोग किया जाय तो निश्चय ही उनमें सकारात्मक सोच और सृजन योग्य क्षमता का विकास हो सकेगा। जिससे राष्ट्रीय भावना, साम्प्रदायिक सौहार्द और श्रेष्ठता का विकास होगा।

सभ्यता के आरंभिक दौर से ही जिस समय आदि मानव हुआ करते संगीत की शुरुआत उस समय के वाद्य-यंत्रों के साथ देखने को मिलती है परन्तु वैदिक युग में यह 'सामवेद' में पूर्णरूप से निहित है। संगीत की धारा भगवान् शिव के तांडवं, वीणा और डमरू वादन तथा गायन से होते हुए माता पार्वती के लास्य-नृत्य नारद मुनि के वीणा-वादन इत्यादि से होते हुए द्वापर युग और त्रेतायुग में वाल्मीकि मुनि, भगवान् श्रीकृष्ण की मुरली, स्वामी हरिदास, तानसेन, बैजू-बावरा से होते हुए आधुनिक युग तक अखिल गति से बहती हुई चली जा रही है। हमारे भारतवर्ष में संगीत की दो मुख्य धाराएँ हैं। कर्णाटक संगीत जो श्रुति प्रधान है, दूसरी तरफ हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति जहाँ बारहों स्वर गाये-बजाये जाते हैं। इसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने वाले हमारे महान् नोबेल पुरस्कार विजेता सर सी०वी० रमण थे।

पूरे भारतवर्ष में प्राचीन संगीत ध्रुपद-धमार के चार मुख्य घराने हैं। 1. सेनिया घराना, जिसके उत्तराधिकारी श्री डागर बंधु हैं। 2. बेतिया घराना, जिसके प्रसिद्ध गायक पंडित राजकिशोर मिश्र जो अब दिवंगत हो चुके हैं। 3. डुमराँव घराना, जिसके साथ उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ साहब का नाम जुड़ा है। 4. दरभंगा का आमता घराना, जिसके प्रसिद्ध कलाकार पं० रामचतुर मल्लिक, पं० सियाराम तिवारी तथा वर्तमान में पं० अभय नारायण

मल्लिक जी हैं। पूरे भारतवर्ष में प्राचीन संगीत के चार घरानों में तीन घराने हमारे बिहार के ही हैं। हमारा बिहार संस्कृति में सबसे अधिक समृद्ध है। इसके अलावा बिहार की क्षेत्रीय भाषाओं मैथिली, भोजपुरी, मगही, अंगिका एवं वज्जिका के पारंपरिक गीतों में शास्त्रीयता की अद्‌भुत झलक मिलती है जो बिहार से उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश भारत के विभिन्न प्रदेशों की संस्कृति को एकाकार करती हुई प्रतीत होती है। बिहार की लोकसंस्कृति एवं लोकसंगीत को समृद्ध बनाने वालों में श्रीमती विंध्यवासिनी देवी का नाम स्तुत्य है।

निश्चित रूप से संगीत विषय को ऐच्छिक विषय बनाकर पूरे भारतवर्ष को ही नहीं बल्कि विश्व में एकता को सुदृढ़ करते हुए पूरे मानव समाज को एक करने में सक्षम हुआ जा सकता है।

हसन वारिस

निदेशक

एस०सी०ई०आर०टी०

✦✦✦

वर्ग नवम : (संगीत का पाठ्यक्रम)
खण्ड 'अ' (VOCAL)

पूर्णांक 70+30=100 अंक

1. संगीत का संक्षिप्त इतिहास :
2. पारिभाषिक शब्दों का ज्ञान : ध्वनि, नाद, थाट, स्वर, राग, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी, वर्जित स्वर, अलंकार, आलाप तान, ख्याल, सरगम, स्थाई, अन्तरा, लय, लय के प्रकार, मात्रा, ठेका, खाली, ताली, सम, विभाग, आरोह, अवरोह।
3. राग परिचय : यमन, विलावल, भूपाली, भैरव और काफी
4. ताल परिचय : तीन ताल, दादरा, कहरवा, एकताल का पूर्ण परिचय
5. जीवनी : तानसेन, पं० राजकिशोर मिश्र (बेतिया घराना) पद्मश्री विन्ध्यवासिनी देवी
6. भातखंडे स्वरलिपि पद्धति में लिखने का ज्ञान।
7. हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति का संक्षिप्त ज्ञान।
8. वन्दे मातरम्, सर्व धर्म सम भाव, प्रार्थना – गीत – तू ही राम है......, तू रहीम है.. ....., उद्बोधन गीत – हम होंगे कामयाब और राष्ट्र गान – जन–गण–मन.......से हो।

प्रकरण	उप प्रकरण	संसाधन	क्रियाशील
संगीत का संक्षिप्त इतिहास :	संगीत का संक्षिप्त इतिहास :	शिक्षकों द्वारा श्यामपट पर लिखाना और बताना।	बच्चों में इसकी जानकारी से उत्सुकता बढ़ेगी।
पारिभाषिक शब्दों का ज्ञान	ध्वनि, नाद, थाट, स्वर, राग, समृद्धवादी, संवादी, अनुवादी, विवादी, अलंकार आलाप, तान, ख्याल, सरगम, स्थाई, अंतरा, लय, लय के प्रकार, मात्रा, ठेका, खाली, ताली, सम, विभाग, आरोह, अवरोह, छोटा-ख्याल, बड़ा-ख्याल।	हारमोनियम, तबला, तानपूरे पर इन सभी का अभ्यास करना।	बच्चों को जानकारी देना।
राग परिचय	यमन, विलावल, भूपाली, भैरव, काफी	तबला, हारमोनियम, तानपूरे के साथ संगत कराना।	राग का परिचय देते हुए अभ्यास कराना।

ताल परिचय	तीनताल, दादरा कहरवा, एकताल का पूर्ण परिचय।	तबला, तानपूरा हारमोनियम के साथ अभ्यास	ताल का ज्ञान कराना बच्चों में रुचि पैदा करना।
जीवनी	तानसेन, पं० राज किशोर मिश्र तथा (बेतिया घराना) पदमश्री विन्ध्यवासिनी देवी	जीवनी पर प्रकाश डालना	संगीतकारों के बारे में जानकारी देना।
भातखंडे - स्वरलिपि - पद्धति में लिखने का ज्ञान	भातखंडे - स्वरलिपि - पद्धति का ज्ञान होना।	जानकारी बच्चों में कराना।	इससे उत्सुकता बढ़ती है बच्चों में।
हिन्दुस्तानी - पद्धति का संक्षिप्त ज्ञान।	हिन्दुस्तानी संगीत-पद्धति का संक्षित ज्ञान		पद्धति का ज्ञान कराना यानी मार्गदर्शन कराना है।
राष्ट्रगीत, देशभक्ति गीत, राष्ट्रगान,	वन्दे मातरम्, सर्व धर्म सम भाव प्रार्थना गीत तू ही राम है.... उद्बोधन गीत हम होंगे कामयाब और अन्त में जन - गण - मन होना चाहिये	हारमोनियम, तबला	हारमोनियम एवं तबले पर बजाकर बच्चों को प्रार्थना सभा में गवाना।

वर्ग-नवम्

खण्ड-ब

पूर्णांक : 70 +30 = 100 अंक

वाद्य वादन

1. हमारे वाद्य यंत्र-परिचय
2. पारिभाषिक शब्दावली
3. बिहार के लोक धुन
4. 10 थाटों का परिचय
5. 5 अलंकारों का परिचय

6. राग परिचय-यमन विलावल, भूपाली-भैरव
7. ताल परिचय-तीन ताल, दादरा कहरवा ताल का परिचय
8. जीवनी – भारत रत्न पं० रविशंकर

प्रकरण	उप प्रकरण	संसाधन	क्रियाशील
1.	वाद्य यंत्र के अंगों का ज्ञान रख-रखाव एवं प्रयोग।	वाद्य यंत्र तानपूरा, सितार, हारमोनियम, वीणा, सारंगी, वायलिन, सरोद, गिटार, बाँसुरी, इसराज, और जलतरंग।	वाद्य यंत्र को मंच या टीवी पर देखकर अथवा चित्र के माध्यम से वर्णन करना।
2.	पारिभाषिक शब्दों संगीत, संगीत पद्धतियाँ, नाद, नाद की उत्पत्ति एवं प्रकार, स्वर, सप्तक, थाट, राग, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी, वर्जित स्वर, पकड़, आलाप, तान, स्थाई, अंतरा, लय, मात्रा, ठेका, सम, ताली, खाली, ठाह, दोगुन, चौगुन, आरोह, अवरोह, अलंकार।	श्यामपट पर लिखकर बतलाना।	विभिन्न शब्दों के क्रियात्मक रूप।
3.	लोक धुन-पूर्वी, कजरी, होली, पहाड़ी, झूमर का ज्ञान।	स्वरों को श्यामपट पर लिखकर बताना।	वाद्य यंत्र पर बजाने का अभ्यास।
4.	10 थाटों का परिचय	श्यामपट पर लिखना।	वाद्य यंत्र पर बजाने का अभ्यास।
5.	5 अलंकारों के ठाह एवं दोगुन की जानकारी	श्यामपट पर लिखना।	वाद्य यंत्र पर बजाने का अभ्यास।
6.	राग परिचय-यमन, बिलावल, भूपाली, भैरव	श्यामपट पर लिखना।	वाद्य यंत्र पर बजाने का अभ्यास।

7.	तीनताल, दादरा, कहरवा तालों का परिचय	तालों को श्यामपट पर लिखना।	तालों को हाथ से ताली खाली देकर ठाह दोगुन में बोलने का अभ्यास
8.	जीवनी-भारत रत्न पं० रविशंकर	जीवनी बोलकर तथा श्यामपट पर लिखना।	बच्चों से जीवनी बोलवाना।

खण्ड-स

वर्ग-नवम्

पूर्णांक : 70 +30 = 100 अंक

पाठ्यक्रम-तबला एवं पखावज

1. परिभाषा, ताल, मात्रा, लय, विभाग, सम, ताली, खाली कायदा, पल्टा, तिहाई, मोहरा, मुखड़ा, टुकड़ा, संगीत।
2. तबला अथवा पखावज के वर्णों का ज्ञान तथा उनका सचित्र वर्णन।
3. तीन ताल, दादरा, कहरवा, चारताल एवं सूलताल के ठेके को भातखण्डे ताल लिपि मे लिखना।
4. तीन ताल में दो कायदे, दो-दो पल्टे, एक तिहाई, दो मोहरे, दो टुकड़े, दादरा एवं कहरवा ताल के कुछ लग्गी एवं लड़ी चारताल में दो टुकड़े एवं दो परन, सूलताल में दो टुकड़े एवं दो परन भातखण्डे ताल लिपि पद्धति में लिखना।
5. तबला के घराने
6. जीवनी - (क) उस्ताद अल्लारक्खा खां
   (ख) पं० रामप्रवेश सिंह

क्र०सं०	प्रकरण	संसाधन	क्रियाशीलन
1.	परिभाषा - ताल, मात्रा, लय, विभाग, सम, ताली, खाली, खाली, कायदा, पल्टा, तिहाई, मोहरा, मुखड़ा, टुकड़ा, संगीत।	श्यामपट पर लिखकर बतलाना	करके दिखाना
2.	तबला अथवा पखावज के बोलों का ज्ञान तथा उनका सचित्र वर्णन।	तबला, पखावज।	तबला तथा पखावज दिखाना समझाना।
3.	तीन ताल, दादरा, कहरवा, चारताल एवं सूलताल के ठेके को भातखण्डे ताल लिपि पद्धति में लिखना।	तबला, पखावज, ढोलक, नाल, खंजड़ी।	ताल के ठेकों को ताल देकर बोलना एवं कायदे इत्यादि को ताल देकर बोलने के बाद बजाना।

4.	तीन ताल में दो कायदे, दो-दो पल्टे, एवं एक-एक तिहाई, दो मोहरे, दो टुकड़े, दादरा एवं कहरवा ताल में कुछ लग्गी एवं लड़ी, चारताल में दो टुकड़े एवं दो परन, सूलताल में दो टुकड़े एवं दो परन भातखण्डे ताल लिपि पद्धति में लिखने का ज्ञान	तबला, पखावज, ढोलक, नाल, खंजड़ी	ताल के ठेकों को ताली देकर बोलना एवं कायदे इत्यादि को ताल देकर बोलने के बाद बजाना।
5.	तबले का घराना		
6.	जीवनी-उस्ताद अल्लारक्खा खाँ पं० रामप्रवेश सिंह		

विद्यालय कार्य : प्रारंभ एवं अन्त

विद्यालय कार्य का आरंभ वन्दे मातरम्, सर्व-धर्म समभाव प्रार्थना गीत-तू ही राम है. .. तू रहीम है. तू ही राम है, हम होगें कामयाब, उद्‌बोधन गीत, "हम होंगे कामयाब....... " और तथा अन्त राष्ट्रगान जन-गण-मन.......से किया जाय। ये सभी गान समूह में हो)

मूल्यांकन

परीक्षा कुल 100 अंक

सैद्धान्तिक 30 अंक

व्यावहारिक 70 अंक (10+10+50)

मूल्यांकन - दस अंकों का विद्यालय स्तर पर दो बार मंच प्रदर्शन तथा पचास (50) अंक की व्यावहारिक परीक्षा तथा तीस (30) अंकों की सैद्धान्तिक परीक्षा।

अधिगम प्रतिफल - शिक्षार्थी संगीत का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। सौन्दर्यबोध की भावनाओं का उनमें विकास होगा। विभिन्न सांस्कृतिक रूपों से शिक्षार्थियों का परिचय होगा। अनेकता में एकता का विकास होगा। राष्ट्रीय एकता का विकास होगा।

शिक्षक की भूमिका - 1. शिक्षार्थियों द्वारा विभिन्न अवसरों पर सम्पादित किये जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपेक्षित सहयोग देना।

2. शिक्षार्थियों में नेतृत्वकारी गुणों का बढ़ाना।
3. संगीत कला को समाज तक पहुंचाने का प्रयास करना।

✦✦✦

विषय-सूची

खण्ड-अ (गायन)

अध्याय		पृष्ठ संख्या
1.	संगीत का संक्षिप्त इतिहास	2 - 3
2.	पारिभाषिक शब्दों का ज्ञान ध्वनि, नाद, थाट, स्वर, संवादी, अनुवादी, विवादी, वर्जित स्वर अलंकार, आलाप, तान, ख्याल, सरगम, स्थाई, अलंकार, लय, लय के प्रकार, मात्रा, ठेका खाली, ताली, विभाग, आरोह, अवरोह	4 - 12
3.	राग परिचय-यमन बिलावल भूपाली भैरव और काफी	13 - 21
4.	ताल परिचय : तीन ताल, दादरा कहरवा, एक ताल का पूर्ण परिचय	22 - 23
5.	जीवनी-तानसेन, पं० राजकिशोर मिश्र, पद्मश्री विन्ध्यवासिनी देवी	24 - 29
6.	भातखण्डे स्वर लिपि पद्धति में लिखने का ज्ञान	30 - 31
7.	हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति का संक्षित इतिहास	32
8.	सर्व धर्म समभाव प्रार्थना गीत तू ही राम है...., वन्देमातरम्, हम होंगे कामयाब और राष्ट्र गान जन गण मन....	33 - 36

खण्ड - ब (वाद्यवादन)

1.	वाद्ययंत्र का परिचय	39 - 57
2.	पारिभाषिक शब्दावली	खण्ड-अ पृष्ठ 4 - 12
3.	बिहार की प्रमुख लोक धुन	58 - 60

4.	10 थाटों का परिचय		61 - 62
5.	5 अलंकारों का परिचय		63
6.	राग परिचय - यमन, विलावल भूपाली भैरव	खण्ड–अ	13 - 21
7.	ताल परिचय - तीनताल, दादरा, कहरवा	खण्ड–अ	22 - 23
8.	जीवनी - भारत रत्न पं० रविशंकर		64

खण्ड - स

(तबला एवं पखावज)

1.	परिभाषा - ताल, मात्रा, लय विभाग ताली खाली कायदा, पलटा, तिहाई, मोहरा, टुकड़ा, संगीत	66 - 67
2.	तबला अथवा पखावज के बोलों का ज्ञान तथा सचित्र वर्णन	68 - 71
3.	तीनताल, दादरा, कहरवा, चारताल एवं सूलताल के ठेके को भातखण्डेताललिपि में लिखना	72 - 73
4.	तीन ताल में दो कायदे, दो पलटे, एक तिहाई, मोहरा दो टुकड़े, दादरा एवं कहरवा ताल के कुछ लग्गी एवं लड़ी चार ताल में से टुकड़े एक दो परन, सूल ताल में दो टुकड़े एवं दो परन भातखंडे ताललिपि पद्धति में लिखना	74 - 79
5.	तबला के घराने	80 - 82
6.	जीवनी - 1. उस्ताद अल्लारक्खा खाँ 2. पं० रामप्रवेश सिंह	83 - 85